

संख्या-674/15-7-16111/2000

NO.

01.10.06/2000

श्री,

श्री. लक्ष्मण सिंह,
विशेष निदेश,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

Sf. Secretary, Lucknow.

विशेष, माध्यमिक शिक्षा बरिचद,
विद्या सं-2 तमुदाय सं-2,
श्रीति पिहार, नई दिल्ली।

विद्या 171 अनुमान

संज्ञक दिनांक 10 जून, 2000

विषय:-

स्वातंत्र्य दान पब्लिक स्कूल माईन स्टोन रामपुर बरेली रोड, रामपुर
को सीबीसीएन 000 नई दिल्ली से सम्मिलित हेतु अनाधिकृत प्रमाण
पत्र दिया जाना।

महोदय,

अनुपूरित विषय पर जोर दे रहे हैं कि निर्देश दिया है कि स्वातंत्र्य दान पब्लिक
स्कूल माईन स्टोन रामपुर बरेली रोड, रामपुर को सीबीसीएन 000 नई दिल्ली से
सम्मिलित हेतु अनाधिकृत प्रमाण पत्र दिए जाने में इस राज्य सरकार को निम्नलिखित
वृत्तिकाओं के अंगीत आदेशों की है:-

- 111 विद्यालय की मुख्य-सहायक संघीयता सीतापदी का समय-समय पर की जायेगी।
- 121 विद्यालय की मुख्य समिति में शिक्षा-निदेशक द्वारा प्रतिनिधित्व प्रदान
होगा।
- 131 विद्यालय में कम से कम दो वृत्तिकात स्थान अनुपूरित वार्ता/अनुपूरित प्रमाणपत्र
के अर्थों के लिए सुरक्षित रहें और उनके उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा
विभाग द्वारा निर्धारित विद्यालयों में विभिन्न स्थाओं के लिए निर्धारित
राज्य के अंगीत आदेशों दिया जायेगा।
- 141 संस्था द्वारा राज्य सरकार के लिए अनुदान की राशि नहीं की जायेगी
और यदि पूर्व में विद्यालय माध्यमिक शिक्षा बरिचद के अंगीत विद्या
बरिचद के अंगीत आदेशों के अंगीत विद्यालय की सम्मिलित केन्द्रीय माध्यमिक
शिक्षा बरिचद/सीबीसीएन 000 नई दिल्ली से सम्मिलित हेतु अनाधिकृत प्रमाणपत्र
दिल्ली से प्रमाणपत्र जारी के तो उसे बरिचद बरिचदों से सम्मिलित प्रमाणपत्र, जोमे
की निर्दिष्ट-विधि के बरिचद के माध्यमता तथा राज्य सरकार के अनुदान तथा
सम्पत्तियों प्राप्ति।
- 151 संस्था में निम्न एवं शिक्षा-निदेशक अधिकारियों को राजकीय तलाकता प्राप्त
शिक्षण स्थाओं के कर्मचारियों को अनुपूरित प्रमाणपत्रों तथा अन्य भत्ता से
कम वेतनमान तथा अन्य भत्ते की दिए जायेंगे।
- 161 कर्मचारियों की सेवा राशि प्रमाणपत्र जारी की और उन्हें तलाकता प्राप्त आताकीम
उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के कर्मचारियों की अनुपूरित सेवा निर्वाह का
लाभ उपलब्ध कराये जायेंगे।
- 171 राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर जो भी आदेश निर्गत किये जायेंगे,
संस्था उनका पालन करेगी।

- 1814 विद्यमान व रिक्त निर्धारित उपम/विकास हैं तथा बाधित ।
 1815 उक्त प्राप्ति में राज्य सरकार के सुविमोहन के लिए कोई परिष्कार/
 हीनोपन वा परिष्कार नहीं किया जायेगा ।

2- प्रतिष्ठान वर भी होना कि लेखा द्वारा एक माह में वह सुनिश्चित
 किया जाय कि:-

- 1816 विद्यमान की प्रतिष्ठान में राज्य सार्वजनिक अधिकारी तथा बाध ।
 1817 विद्यमान में 10 प्रतिष्ठान स्थान अनुचित बाध/अनुचित बाधित के
 बाधों के विषे आरक्षित रहे बाध ।
 1818 रिक्त/रिक्तोत्तर कर्मचारियों की राज्यीय भाषाका राज्य रिक्त/
 रिक्तोत्तर कर्मचारियों के अनुचित वेतनमान तथा अन्य बाधों विषे बाध ।

3- उक्त प्रतिष्ठानों का बाधन करना लेखा के विषे अधिकारी होना और बाध
 किसी समय यह बाध बाध है कि लेखा द्वारा उक्त प्रतिष्ठानों का बाधन नहीं किया
 वा रक्त है उक्त बाधन करने में किसी प्रकार की धूक वा बाधितता बाधनी वा रक्त
 है तो राज्य सरकार द्वारा उक्त अनुचित प्रमाण वन बाधन में बाध बाधना ।

महोदय
 [Signature]
 भाषण विभाग
 वि. वि. वि.

सुधो- 111/15-7-2000 तद्विषय

प्रतिष्ठान निर्धारित की सुधो व बाधन बाधना की सुधो:-

- 1- रिक्त निर्धारित, उत्तर प्रदेश, बाधन ।
 2- राज्यीय बाधन रिक्त निर्धारित, बाधना ।
 3- रिक्त निर्धारित निर्धारित, बाधन ।
 4- निर्धारित, राज्य भारतीय विद्यमान, 2000, बाधन ।
 5- बाधन बाधन बाधन बाधन बाधन बाधन बाधन बाधन ।

महोदय
 [Signature]
 भाषण विभाग
 वि. वि. वि.

o/c